कार्यकारिणी सारांश

एशिया की उन्नति दुनिया को बदल रही है। एशिया की सदी - यह 21वीं सदी की विशेषता को परिभाषित करता है। इन घटनाओं से हर जगह लोगों पर गहरा प्रभाव पड़ा है।

एशिया की असाधारण उन्नति ने ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था, समाज और राजनैतिक-कुशलता के वातावरण को अभी से ही बदल दिया है। आगे आने वाले परिवर्तन के परिमाण और गति का अर्थ यह है कि ऑस्ट्रेलिया वास्तव में अपने इतिहास के एक परिवर्तनकारी समय में प्रवेश कर रहा है।

केवल कुछ ही वर्षों में, एशिया विश्व में न केवल वस्तुओं और सेवाओं का सबसे बड़ा उत्पादक होगा, बल्कि सबसे बड़ा उपभोक्ता भी बन जाएगा। यह पहले से ही विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला क्षेत्र है। भविष्य में यह विश्व के अधिकाँश मध्यम-वर्ग का निवास-स्थान भी होगा।

एशियाई सदी ऑस्ट्रेलिया के लिए एक सुअवसर है। अब जबकि विश्व की आकर्षण शक्ति हमारे क्षेत्र में आ रहा है, तो निकटता के अवसर दूरी की खामियों का स्थान ले रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया सही समय में सही स्थान पर स्थित है - एशियाई सदी में एशियाई क्षेत्र में।

कई दशकों से ऑस्ट्रेलियाई व्यवसाय, निर्यातक और समुदाय ने पूरे क्षेत्र-भर में अपने पदचिह्न समृद्ध किए हैं। आज ऑस्ट्रेलिया में खनिज और ऊर्जा की उन्नति सबसे अधिक दिखाई देती है, लेकिन यह एशिया की वृद्धि का केवल एकमात्र पहलू नहीं है। जैसे-जैसे यह सदी और प्रकट होगी, हमारे क्षेत्र की उन्नति हमारी लगभग पूरी अर्थव्यवस्था और समाज को प्रभावित करेगी।

इस क्षेत्र में एक समृद्ध और चलायमान मध्यम-वर्ग तेजी से उभर रहा है, जिससे नए अवसर पैदा हो रहे हैं। वे अनेकानेक तरह के माल और सेवाओं की मांग कर रहे हैं, जिसमें स्वास्थ्य और वृद्ध-देखभाल से लेकर शिक्षा और घरेलू सामान, पर्यटन, बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं के साथ ही उच्च-गुणवत्ता के खाद्य उत्पादन शामिल हैं।

आर्थिक लाभों के अलावा पूरे क्षेत्र में मजबूत संबंधों का निर्माण करने के लिए कई बहुमूल्य अवसर उपलब्ध हैं, जिनमें गहन शैक्षिक, सांस्कृतिक, और लोगों को आपस में जोड़ने की कड़ियाँ शामिल हैं।

हमारे देश के पास वह शक्ति भी है जो एशियाई देशों के साथ हमारे लम्बे समय से चले आ रहे संबंधों से उत्पन्न हुई है। हमारे क्षेत्र में जिनमें चीन, जापान, भारत, इंडोनेशिया और कोरिया गणराज्य (दक्षिण कोरिया) जैसे एशियाई देश शामिल हैं, उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के संबंध मजबूत और प्रबल रहे हैं। लेकिन इस एशियाई सदी में हमें और अधिक गहरे और व्यापक संबंधों के एक नए चरण में प्रवेश करना होगा।

यह श्वेत पत्र इस अगले चरण में संपूर्ण ऑस्ट्रेलिया - सरकारों, व्यापार, यूनियनों और व्यापक समुदाय के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध कराता है। हमारा लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया को एक और अधिक समृद्ध और लोचपूर्ण राष्ट्र के रूप में सुरक्षित करना है, जो हमारे इस क्षेत्र का पूरी तरह से हिस्सा होगा और विश्व के लिए खुला होगा।

ऑस्ट्रेलिया एक मजबूत स्थिति से आरंभ करता है। जिस तरह से हमारे क्षेत्र के पास हमें प्रस्तुत करने के लिए बहुत कुछ है, उसी तरह से हमारे पास भी अपने क्षेत्र को प्रस्तुत करने के लिए बहुत कुछ है। हमारे पास मजबूत, विश्व की अग्रणी संस्थाएं, बहुसांस्कृतिक और अत्यधिक कुशल कार्यबल और एक उत्पादक, खुली और लोचपूर्ण अर्थव्यवस्था है, जो दुनिया में सबसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इन परिसंपत्तियों को पिछले दशकों में लाए गए अनेकानेक आर्थिक सुधारों और अच्छे निर्णयों के माध्यम से पुनर्प्रबल किया गया है, जिनमें वैश्विक वित्तीय संकट के सबसे बुरे प्रभावों से बचने के लिए ऑस्ट्रेलिया द्वारा किए गए विश्व में अग्रणी कार्य शामिल हैं।

लंबे समय से हमारी प्रबलता ऑस्ट्रेलिया के एशियाई देशों के साथ व्यवहार में परिलक्षित होती आ रही है। पिछले 50 वर्षों में ऑस्ट्रेलिया के कुल व्यापार के एक भाग के रूप में एशिया के हमारे साथ किए जाने वाले व्यापार में तेजी से वृद्धि हुई है। हमारे आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक संबंध गहरे हुए हैं। इस क्षेत्र-भर के देशों के साथ हमारे मजबूत संबंध और निकट मित्रता है।

लेकिन ऑस्ट्रेलिया की सफलता संयोग के बजाय चयन पर आधारित होगी। सफल होने के लिए हमें उन नीतियों के समायोजन और मार्ग को बनाए रखने की आवश्यकता है, जिनसे हमें लाभ हुआ है। हमें अपनी सुदृढ़ सामाजिक नींव को मजबूत करने की ज़रूरत है, जिसमें हमारे राष्ट्रीय संस्थान, हमारी सांस्कृतिक विविधता और हमारा जिज्ञासु समाज शामिल है।

हमें इससे भी अधिक करने की की आवश्यकता होगी - हम सभी को हमारे क्षेत्र में तेजी से होने वाले परिवर्तनों के लिए प्रत्युत्तर देना होगा।

ऑस्ट्रेलियावासियों को एशियाई सदी में सफल होने के लिए पांच प्रमुख क्षेत्रों में कार्य करने की आवश्यकता होगी।

सबसे पहले, चाहे एशियाई सदी जिस भी रूप में विकसित हो, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की समृद्धि हमारी अपनी प्रबलताओं का आगे निर्माण करने से संभव होगी। हमें यहीं पर अपने निष्पक्ष समाज और अपनी समृद्ध, खुली और लोचपूर्ण अर्थव्यवस्था की नींव को पुनर्प्रबल करने की आवश्यकता है। हमें अपने तुलनात्मक लाभ का विस्तार करने के लिए उन क्षेत्रों में प्रबल होने की आवश्यकता है, जिनमें हम पहले से ही अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके लिए पांच स्तंभों में अनवरत सुधार और निवेश महत्वपूर्ण होंगे - कुशलताएं और शिक्षा, नवाचार, बुनियादी ढांचे, कर सुधार और विनियामक सुधार।

दूसरे, एक राष्ट्र के रूप में हमें ऑस्ट्रेलिया को सफल होने में मदद देने के लिए क्षमताओं को और भी अधिक विकसित करना चाहिए। हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह है कि हम कुशलताओं और शिक्षा के माध्यम से अपने लोगों में निवेश करें, जिससे ऑस्ट्रेलिया का उत्पादकता प्रदर्शन आगे बढ़ सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी ऑस्ट्रेलियावासी प्रतिभाग ले पाएं और योगदान दे सकें। एशियाई सदी के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण क्षमताओं में नौकरी-विशेष कुशलताएं, वैज्ञानिक और तकनीकी उत्कृष्टता, अनुकूलनशीलता और लोचपूर्णता शामिल हैं। रचनात्मकता और अवरचना पर आधारित सोच का उपयोग करके जटिल समस्याओं का समाधान करना एक विशिष्ट ऑस्ट्रेलियाई प्रबलता है, जोकि इस सदी में उभरने वाली चुनौतियों का सामना करने में हमें मदद से सकती है। एक राष्ट्र के रूप में हमें एशियाई संस्कृतियों और भाषाओं की अपनी समझ को व्यापक और गहरा बनाने की आवश्यकता भी है,

जिससे कि हम और अधिक एशिया-साक्षर बन पाएं। पूरे क्षेत्र-भर में मजबूत संबंध और भागीदारी का निर्माण करने के लिए इन क्षमताओं की आवश्यकता है।

तीसरे, इस क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया की व्यावसायिक सफलता के लिए यह आवश्यक है कि अत्यधिक नवाचारी, प्रतिस्पर्धी ऑस्ट्रेलियाई कंपनियां और संस्थाएं इस क्षेत्र में अन्य लोगों के साथ सहयोगात्मक संबंध विकसित करें। ऑस्ट्रेलियाई फर्मों को एशियाई बाजारों में संचालन करने और उनके साथ जुड़ने के लिए नए व्यापार मॉडल और नई मानसिकता की आवश्यकता है। हम इस क्षेत्र को और अधिक खुला और एकीकृत बनाने के लिए व्यापार, निवेश और साझेदारी को प्रेरित करेंगे। कंपनियां हमारे क्षेत्र में पैदा हुए अवसरों का लाभ उठाने के लिए अपने व्यापार मॉडल को अनुकूलित करेंगी।

चौथे, ऑस्ट्रेलिया का भविष्य हमारे वैविध्यपूर्ण क्षेत्र की स्थिरता और सतत सुरक्षा के साथ अपरिवर्तनीय ढंग से बंधा हुआ है। दूसरे देशों के साथ सहयोग के माध्यम से इस क्षेत्र में स्थायी सुरक्षा का समर्थन करने हेतु ऑस्ट्रेलिया के पास प्रस्तुत करने के लिए बहुत कुछ है। हम विश्वास और सहयोग का निर्माण करने के लिए द्विपक्षीय और मौजूदा क्षेत्रीय तंत्र के माध्यम से काम करेंगे। हम एक नियम-आधृत क्षेत्रीय और वैश्विक व्यवस्था के माध्यम से एशियाई देशों के लिए एक बड़ी भूमिका को समर्थन देना जारी रखेंगे। संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ ऑस्ट्रेलिया के गठबंधन और एशिया में प्रबल अमेरिकी उपस्थिति, और साथ ही क्षेत्रीय विकास में चीन की पूर्ण भागीदारी के माध्यम से क्षेत्रीय स्थिरता को समर्थन मिलेगा।

पांचवे, हमें पूरे क्षेत्र-भर के साथ ऑस्ट्रेलिया के गहरे और व्यापक संबंधों को हरेक स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है। ये कड़ियाँ राजनीतिक और आर्थिक के समरूप सामाजिक और सांस्कृतिक भी हैं। लोगों के बीच की कड़ियों में सुधार करने से और अधिक आर्थिक व सामाजिक लाभ प्रकट हो सकते हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलियाई सरकार इस क्षेत्र में स्थित भागीदारों के साथ संबंधों को मजबूत करने और इनका निर्माण करने में एक प्रमुख भूमिका निभाती है - एशिया में और गहन राजनैतिक-कुशलता के साथ - विस्तृत श्रेणी के अन्य व्यापार, यूनियनों, सामुदायिक समूहों और शैक्षिक व सांस्कृतिक संस्थाओं सहित अनेकानेक अन्य क्षेत्र भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मजबूत रिश्तों के माध्यम से और भी अधिक आस्ट्रेलियावासी अधिक गहन समझ प्राप्त कर पाएंगे कि एशिया में क्या हो रहा है। साथ ही वे हमारे क्षेत्र में वृद्धि के लाभ का उपयोग करने में और अधिक सक्षम बन पाएंगे। इसके बदले में, इस क्षेत्र के हमारे पड़ोसी हमें आज की तुलना में और भी अधिक बेहतर तरीके से जान पाएंगे।

एशियाई सदी में सफलता के लिए पूरे ऑस्ट्रेलिया को प्रयास करने की आवश्यकता है। व्यवसायों, यूनियनों, समुदायों और सरकारों को साथ में ऐसे एक परिवर्तन में भागीदार होने की आवश्यकता है, जो हमारे पूरे इतिहास में ऑस्ट्रेलिया को परिभाषित करने वाले अन्य किसी परिवर्तन के समरूप ही गहरा है।

यह सभी आस्ट्रेलियावासियों के हित में है - और इसलिए यह राष्ट्रीय हित में भी है - कि ऑस्ट्रेलिया के लिए आवश्यक क्षमताओं और कड़ियों को विकसित किया जाए, ताकि हम इस क्षेत्र के प्रति योगदान दे सकें और इससे सीख पाएं, और इन अवसरों का पूरा लाभ भी उठा सकें।

आगे आने वाली चुनौतियों के लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता है; आस्ट्रेलियावासी रातोंरात या यहाँ तक कि पांच साल से ज़्यादा अवधि में भी मजबूत संबंधों का निर्माण नहीं कर सकते हैं या नई कुशलताएं नहीं सीख सकते हैं, विशेष-रूप से तब जबकि हमारे क्षेत्र में देशों की इतनी विविधता है। कुछ कार्य तो तुरंत किए जा सकते हैं, लेकिन अन्य कार्यों के लिए पूरे राष्ट्र-भर में समुदायों के साथ आगे बातचीत करने, विस्तृत योजना बनाने और एक पीढ़ी की अवधि के दौरान सावधानी से इसका कार्यान्वयन करने की आवश्यकता होती है।

श्वेत पत्र के अध्याय 1 से लेकर 4 तक हाल के दशकों में एशिया की असाधारण वृद्धि और 2025 तक इसके संभावित भविष्य (चित्र 1) की व्याख्या करते हैं। वे एशिया में ऑस्ट्रेलिया के स्थान और 2025 तक हमारे दृष्टिकोण का निरीक्षण करते हैं। यह एशियाई सदी में ऑस्ट्रेलिया के भविष्य की योजना के रूप को व्यवस्थित करता है।

अध्याय 5 से लेकर 9 तक ऑस्ट्रेलिया का 2025 तक मार्गदर्शन करने के लिए राष्ट्रीय उद्देश्य और मार्ग स्थापित करते हैं (चित्र 2)। इन राष्ट्रीय उद्देश्यों को आगे बढ़ाने और इन्हें लागू करने से एशियाई सदी का पूरा लाभ उठाने का लक्ष्य स्थापित होता है, लेकिन इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए पूरे समुदाय को एक ठोस और समन्वित प्रयास करने की आवश्यकता होगी।

चित्र 1: एशियाई सदी की भूमिका की स्थापना

- उत्थान का आश्चर्यजनक स्तर और गति
- लोगों और पूँजी में निवेश
- बाजार और संस्थागत सुधार
- उदार वैश्विक व्यापार प्रणाली और स्थिरता
- एशिया ने दुनिया को बदल दिया है

- भविष्य में आय में प्रबल वृद्धि
- बदलते हुए व्यापार और खपत के स्वरूप
- संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा
- स्थिरता के माध्यम से समृद्धि

- ऑस्ट्रेलिया के तुलनात्मक लाभ
- जनसांख्यिकीय और पर्यावरणीय चुनौतियाँ
- एशिया के विकास से उत्पन्न अवसर

- संस्थागत संबंधों का विकास
- ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था का उदारीकरण
- ऑस्ट्रेलियाई समाज में सांस्कृतिक योगदान

चित्र 2: एशियाई सदी में मार्गनिर्देशन की अवरचना

एशिया की उन्नति

इस क्षेत्र में परिवर्तन की गति और इसका स्तर आश्चर्यचकित कर देने वाला है (चार्ट 1)[1]। पिछले 20 वर्षों में चीन और भारत ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपने हिस्से को लगभग तीन गुना बढ़ा दिया है और अपने संपूर्ण आर्थिक आकार को लगभग छह गुना बढ़ा दिया है। 2025 तक यह पूरा क्षेत्र पूरे रूप से दुनिया के लगभग आधे उत्पादन का स्रोत बन जाएगा। कई लाखों लोग गरीबी से ऊपर उठ जाएंगे। वे अधिक समय तक जीवित रहेंगे और विश्व के साथ बेहतर रूप से जुड़े हुए होंगे।

चार्ट 1: एशिया की अर्थव्यवस्था का पुनरुत्थान जारी रहेगा

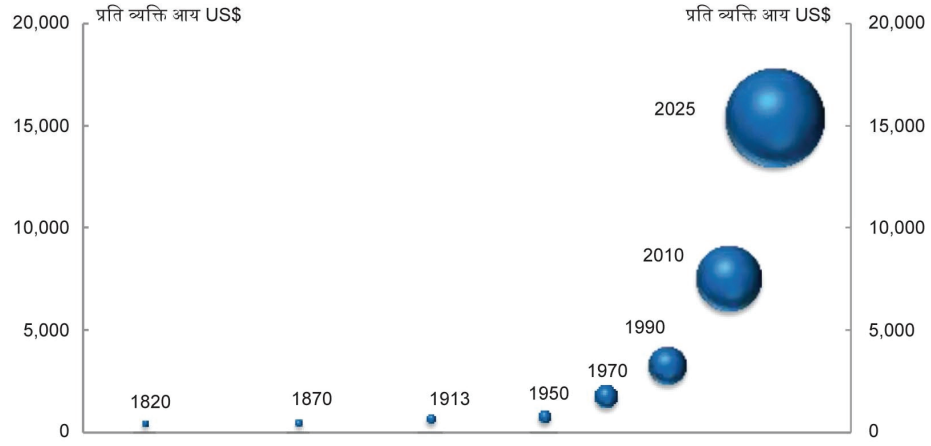

माल और सेवाओं के लिए खुले वैश्विक बाजारों से लाभ उठाने की एशिया की क्षमता उसके आर्थिक परिवर्तन के लिए बहुत महत्वपूर्ण रही है। लोगों और भौतिक पूँजी में निवेश करने की व्यापक प्रतिबद्धता इसके केंद्र में रही है।

सतत वैश्विक चुनौतियों की पृष्ठभूमि में एशिया का विकास जारी है। इनमें से पहली चुनौती मुख्य उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में कमजोरी है, जिनसे मध्यम दर्जे के आर्थिक विकास की और अधिक आशा है। दूसरे, जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियाँ और भोजन, पानी और ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में उभरती हुई अन्य चुनौतियाँ मौजूद हैं। तीसरे, एशिया के पास अपनी खुद की ऐसी नीतिगत चुनौतियाँ हैं जिनके लिए बाजार-आधृत सुधारों की निरंतरता की आवश्यकता है, जिससे कि आर्थिक और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ विकास को बढ़ावा मिल पाए। कुछ देशों में शहरीकरण और वृद्ध होती हुई जनसँख्या की समस्या से निपटा जा सके तथा सामाजिक सुरक्षा जालों को विकसित

[1] चार्ट 1 में गोल क्षेत्र एशिया की अर्थव्यवस्थाओं के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का परिमाण दर्शाता है, जिसे क्रय शक्ति समता 2011 की कीमतों के अनुरूप समायोजित किया गया है (मैड्डिसन 2010, आईएमएफ 2012सी, सम्मेलन बोर्ड 2012 और ट्रेशरी के अनुमान)। एशिया की परिभाषा और अनुमानों के विवरण के लिए शब्दकोष देखें।

किया जा सके। एशिया की आर्थिक वृद्धि से इस क्षेत्र में और पूरी दुनिया-भर में अन्य गतिकी में बदलाव आ रहा है। निकट भविष्य में एशिया के लिए सबसे शक्तिशाली सामरिक अभिनेता संयुक्त राज्य अमेरिका ही।

रहेगा। लेकिन एशिया की बड़ी शक्तियों, विशेष रूप से चीन और भारत, के आर्थिक विकास और व्यापक अंतरराष्ट्रीय हितों के कारण यह स्थापित सामरिक क्रम बदल रहा है। राष्ट्रीय संपत्ति में वृद्धि के परिणामस्वरूप राष्ट्रों को अपने रक्षा-बलों के आधुनिकीकरण, और अधिक उन्नत क्षमताओं के अधिग्रहण और अपनी शक्ति को प्रक्षेपित करने का अवसर मिल रहा है। इसके साथ में आर्थिक विकास से ऊर्जा, पानी और भोजन के संसाधनों पर और अधिक दबाव पड़ेगा। उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम और अनसुलझे क्षेत्रीय विवाद जैसे मौजूदा क्षेत्रीय सामरिक तनाव बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया का सामरिक परिदृश्य और अधिक घिर गया है और जटिल होता जा रहा है।

हमारे क्षेत्र की स्थिरता और समृद्धि इस पर निर्भर करेगी कि प्रमुख शक्तियों के बीच संबंध कैसे विकसित होंगे, विशेष रूप से चीन, भारत, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका। एशिया की कूटनीति क्रम में परिवर्तन होने से कुछ प्रतिस्पर्धा अवश्य विकसित होगी। लेकिन इस क्षेत्र के सभी देशों का स्थिरता और आर्थिक विकास में गहन निवेश है: एक-दूसरे के ऊपर जटिल आश्रयता और बढ़ते हुए द्विपक्षीय संबंध स्थिरता प्रदान करने के लिए गहरे दबाव हैं।

हालांकि अशुद्ध गणना की संभावना कम हो सकती है, लेकिन फिर भी संभावित परिणाम काफी गंभीर होंगे। ये खतरे विश्वास, बातचीत और इस क्षेत्र में सहयोग की आदतों का निर्माण करने के लिए द्विपक्षीय और क्षेत्रीय प्रयासों को गति दे रहे हैं, और इस श्वेत पत्र में इन प्रयासों की जाँच खोज की गई है।

एशिया में ऑस्ट्रेलिया

एशियाई सदी से उपलब्ध होने वाले अवसरों का लाभ उठाने के लिए ऑस्ट्रेलिया एक अच्छी स्थिति में है। क्षेत्रों में असमान स्थितियों के बावजूद भी ऑस्ट्रेलिया दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इसके पास एक उज्जवल दृष्टिकोण है। बेरोजगारी कम है। मुद्रास्फीति नियंत्रण में है। व्यापार के नियम अच्छे हैं। हालाँकि ऐसा लगता है कि माल की कीमतें अपने चोटी के रिकॉर्ड को पार कर चुकी हैं, लेकिन विशेष खनिज और ऊर्जा निवेश का अभी भी आना बाकी है और बड़े पैमाने पर उत्पादन और निर्यात को अभी तक प्रवाहित होना बाकी है।

ऑस्ट्रेलिया के सार्वजनिक वित्त दुनिया में सबसे मजबूत वित्तों में से एक हैं। सरकारी ऋण कम है। हमारे वित्तीय संस्थान सुदृढ़ हैं और हमारे पास सबसे अधिक संभव संप्रभुत्वपूर्ण क्रेडिट रेटिंग मौजूद है। हमारे लोग बहुसांस्कृतिक, अत्यधिक कुशल और सृजनात्मक लोग हैं जिनके पास नवाचार व जटिल समस्याएं हल करने की प्रमाणित क्षमताएं हैं। हमारे पास विशाल प्राकृतिक संसाधन और उन्हें विकसित करने के लिए ज्ञान और प्रौद्योगिकी मौजूद है।

ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति और कूटनीति के ढांचे ने ने इस क्षेत्र में मजबूत संबंध बनाए हैं, जिससे हम क्षेत्रीय परिणामों, और कभी-कभी वैश्विक परिणामों को प्रभावित करने में सक्षम हो पाए हैं।

हालाँकि ऑस्ट्रेलिया के पास कई प्रबलताएं मौजूद हैं, लेकिन फिर भी हमें यह सुनिश्चित करने के लिए काम करना होगा कि हम अपने क्षेत्र में तेजी से होने वाले परिवर्तनों और अपनी स्वयं की अर्थव्यवस्था में होने वाले संक्रमणों के प्रति लगातार अनुकूलन करते रहें।

पिछले एक दशक के दौरान ऑस्ट्रेलिया के प्राकृतिक संसाधनों के लिए एशिया की माँग से हमारे व्यापार के नियमों में जीवन में एक-बार होने वाली वृद्धि पैदा हुई है और खनिज और ऊर्जा निवेश में एक असाधारण उछाल आया है। इससे राष्ट्रीय आय में पर्याप्त वृद्धि सँभव हो पाई, भले ही पिछले दशक में उत्पादकता की वृद्धि साधारण ही रही हो।

हालाँकि यह उम्मीद की जाती है कि ऑस्ट्रेलिया के व्यापार की शर्तें अभी कुछ समय तक के लिए ऊँची बनी रहेंगी, लेकिन फिर भी ऑस्ट्रेलिया के जीवन-स्तर को ऊपर उठाने के लिए उत्पादकता में वृद्धि अभी भी नाजुक बनी हुई है। इसके लिए ऐसे विकास की आवश्यक है जो व्यापकता पर आधारित और दीर्घकालिक हो।

हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि ऑस्ट्रेलियावासियों को और अधिक विविधतापूर्ण अर्थव्यवस्था में ऊँची आय प्राप्त हो सके, जो लगातार जारी रहने वाले परिवर्तन के समक्ष लोचपूर्ण रहे।

एशिया की सदी छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों सहित कई प्रकार के व्यवसायों में अनेकानेक सुअवसर और कैरियर जीविका के विकल्प उपलब्ध कराती है, खासकर ऑस्ट्रेलिया के युवा लोगों के लिए:

- खनन और सँसाधन से संबंधित क्षेत्रों में - इस क्षेत्र में निरंतर आर्थिक विकास से ऊर्जा और खनिज संसाधनों के लिए मांग को गति मिलेगी
- पर्यटन, खेल, शिक्षा, कला और रचनात्मक उद्योगों, व्यावसायिक, बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं, और विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में - जिसके पीछे एशिया की बढ़ती हुई समृद्धि का हाथ है
- कृषि में - बढ़ती हुई आबादी और एशिया में समृद्ध होते हुए एक मध्यम वर्ग से जुड़ी खाद्य-पदार्थों की बढ़ती हुई मांग जो ऑस्ट्रेलिया को उच्च-मूल्य के भोजन का एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता बनने का अवसर प्रदान करती है। इसके लिए कृषिकार्य से जुड़े हुए व्यवसायों को उत्पादन और अनुसंधान को बढ़ावा देने, नियामक परिवर्तन से अनुकूलन करने व और अधिक क्षमता का निर्माण करने के लिए अधिक निवेश करने की आवश्यकता होगी।
- विनिर्माण और सेवाओं में - ऑस्ट्रेलियाई व्यवसायों के क्षेत्रीय और वैश्विक मूल्य-श्रृंखलाओं में शामिल और समय के साथ तेजी से एकीकृत और विशेषीकृत होने से वे उच्च-मूल्य के और नवाचरित उत्पाद और सेवाएं प्रस्तुत करेंगे।

- पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ विकास, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, बुनियादी ढांचे के विकास, शहरी अवरचना और स्वास्थ्य व वयोवृद्ध लोगों की देखभाल में - आस्ट्रेलियाई विशेषज्ञ अपने पड़ोसियों के साथ व्यापार करने में अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाते हैं।

इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए ऑस्ट्रेलिया को एशिया के साथ गहरे संबंध बनाने चाहिए जिससे विचारों का प्रवाह व्यापक हो सके और नए ज्ञान और क्षमताओं को ग्रहण किया जा सके। एशिया नए विचारों, कलाओं और संस्कृति, प्रौद्योगिकी और अग्रणी विज्ञान के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत है। ऑस्ट्रेलिया को एशिया की उन्नति से काफी लाभ मिल सकता है। वृद्धि की दृष्टि से हम इस क्षेत्र के उत्कृष्टता के मानकों की तुलना
में अपने प्रदर्शन को मापने के लिए तत्पर हैं।

कलाएं, संस्कृति और रचनात्मकता एशिया में ऑस्ट्रेलिया के संबंधों को औपचारिक व अनौपचारिक, दोनों रूप से व्यापक और मजबूत बना सकती हैं। ऑस्ट्रेलिया की सांस्कृतिक प्रबलताएं - दुनिया के सबसे पुराने जीवंत संस्कृति के उद्गम और विविधता का स्वागत करने वाले एक देश के रूप में - सम्मान, समझ और समेकन के मूल्यों को समर्थन देती हैं, जिससे लोगों, व्यापार, संस्थाओं और सरकारों को जोड़ने में मदद मिलती है।

ऑस्ट्रेलिया और बाकी के क्षेत्र के लोगों के बीच दोतरफा आवागमन से ऑस्ट्रेलियाई समाज के ताने-बाने और हमारी जीवन-शैली को और भी अधिक मजबूती मिलेगी। निवास, अध्ययन और काम करने के लिए अत्यधिक कुशल और प्रतिभाशाली लोगों को लगातार रूप से आकर्षित करने के लिए ऑस्ट्रेलिया एक अच्छी स्थिति में है - बिल्कुल वैसे ही जैसे आस्ट्रेलियावासियों के पास इस क्षेत्र को वापिस देने के लिए बहुत कुछ है।

ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था के सभी हिस्सों को वर्तमान समय में एक-समान अवसर उपलब्ध नहीं हैं; कुछ उद्योग और क्षेत्र कठिन संक्रमण के बीच काम कर रहे हैं। व्यापार, यूनियनों और व्यापक समुदाय के साथ साझेदारी में सरकार संक्रमण से गुज़र रहे क्षेत्रों और इलाकों के लिए लक्षित समर्थन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें कुशलताओं और शिक्षा में सुधार और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पहुँच के लिए सहायता प्रदान करना शामिल है।

जहाँ एक ओर कुछ व्यापार मॉडल चुनौती का सामना कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अन्य क्षेत्रों में विकास के नए अवसर खुल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्र हमारे राष्ट्र के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय ताने-बाने के प्रति एक महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। हमारी जनसंख्या का लगभग एक-तिहाई हिस्सा क्षेत्रीय ऑस्ट्रेलिया में निवास करता है। प्राथमिक उद्योग, जो क्षेत्रीय ऑस्ट्रेलिया में केंद्रित हैं, हमारे निर्यात का लगभग दो-तिहाई हिस्सा बनाते हैं। एशिया से मजबूत मांग पूरे उत्तरी ऑस्ट्रेलिया-भर में विकास को समर्थन देगी - पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया से लेकर क्वींसलैंड तक - जिसमें डार्विन शामिल होगा, और तस्मानिया और ऊपरी स्पेंसर खाड़ी सहित अन्य क्षेत्र भी शामिल होंगे।

ऑस्ट्रेलिया के पास कई अन्य देशों की तुलना में बड़े संरचनात्मक समायोजनों का और अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने का ट्रैक-रिकॉर्ड है। लेकिन एशियाई सदी द्वारा प्रस्तुत की गई परिवर्तन और अवसर का स्तर बहुत बड़ा और दीर्घकालीन है; इसके लिए पूरे महासंघ-भर में संपूर्ण ऑस्ट्रेलिया द्वारा एक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। व्यवसाय, समुदाय और संस्थान - इन सभी को बदलती हुई वैश्विक अर्थव्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिक्रियाओं का नेतृत्व स्वयं करने की आवश्यकता है।

हम सभी को समृद्धि को अधिकतम बनाने और चुनौतियों का प्रबंधन अच्छी तरह से करने के लिए और अधिक चतुराई से काम करने की आवश्यकता होगी। सरकार के लिए इसका मतलब यह है कि हमने हाल के वर्षों में जो कुछ भी किया है, उसे जारी रखा जाए और सही निर्णय लेते हुए और कई दशकों में फैली हुई सतत सुधार की गर्वपूर्ण परंपरा को बनाए रखा जाए।

2025 के लिए पच्चीस राष्ट्रीय उद्देश्य: एशियाई सदी के मार्ग निर्देशन के लिए दिशानिर्देश से होकर जाने के लिए

एशिया की वृद्धि से ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़े अवसर उपलब्ध होते हैं। अधिक समृद्ध और लोचपूर्ण ऑस्ट्रेलिया के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए और एशियाई क्षेत्र का पूरी तरह से हिस्सा बनने और दुनिया के प्रति खुलने के लिए, सरकार ने देश के लिए सन् 2025 तक 25 उद्देश्यों की पहचान की है। ये राष्ट्रीय उद्देश्य और इन्हें प्राप्त करने में मार्गदर्शन के लिए नीतिमार्ग नीचे विस्तार से दिए गए हैं।

एक उत्पादक और लोचपूर्ण ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था (अध्याय 5)

दिशानिर्देश में दिए गए उद्देश्य और मार्ग दोनों साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया की अर्थव्यवस्था और समाज को मजबूत बनाने के तरीके प्रदान करते हैं।

- सन् 2025 तक ऑस्ट्रेलिया का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2011 में 13 स्थान से ऊपर उठकर दुनिया के 10 शीर्ष देशों में होगा, जिसके लिए हमारी उत्पादकता में उन्नति की आवश्यकता पड़ेगी।
- इसका मतलब यह होगा ऑस्ट्रेलिया की औसत वास्तविक राष्ट्रीय आय 2012 में लगभग $62,000 प्रति व्यक्ति की तुलना में 2025 तक लगभग $73,000 प्रति व्यक्ति हो जाएगी।

कुशलताएं और शिक्षा

1. सभी आस्ट्रेलियावासियों को एक मजबूत अर्थव्यवस्था और एक न्यायपूर्ण समाज में पूरी तरह से भाग लेने के लिए आवश्यक कुशलताएं और शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा।
    - ऑस्ट्रेलिया की स्कूल प्रणालियाँ दुनिया में शीर्ष पाँच स्कूली शिक्षा प्रणालियों में से एक होगी और हमारे विश्वविद्यालय और प्रशिक्षण-प्रणालियाँ दुनिया के सबसे अच्छे शिक्षण-तंत्रों में गिनी जाएंगी।

मार्गपथ

- ऑस्ट्रेलिया की आरंभिक बाल्यकाल शिक्षा, स्कूलों, विश्वविद्यालयों और प्रशिक्षण-प्रणालियों को उत्पादकता बढ़ाने और एशियाई देशों के साथ संलगन सुधारने के लिए मजबूत नींव के रूप में बेहतर बनाया जाए (मार्गपथों का पूरा समुच्चय राष्ट्रीय उद्देश्य 9-13 में नीचे दिया गया है)।
- वर्तमान में कार्यबल में कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों के बीच भागीदारी बढ़ाई जाए, जिसमें शिक्षा और प्रशिक्षण, शिशु-देखभाल, वेतनीय मातृत्व-अवकाश, रोजगार सेवाएं और वयो-वृद्ध आस्ट्रेलियावासियों के लिए सहायता शामिल है, ताकि और अधिक आस्ट्रेलियावासी एशियाई सदी से लाभ उठा सकें।
- *निष्पक्ष कार्य अधिनियम 2009* और विद्यमान प्रतिभाग के माध्यम से एक कार्यबल संस्कृति का विकास जारी रखा जाए, जिसके तहत कर्मचारी, कार्य-नियोक्ता और यूनियनें निरंतर सुधार और उत्पादकता में वृद्धि के लिए सहयोग करें।

नवाचार

2. ऑस्ट्रेलिया के पास दुनिया-भर के शीर्ष 10 स्थानों में से एक नवाचार प्रणाली होगी, जोकि एक रचनात्मक समस्या-समाधान संस्कृति के माध्यम से व्यापार में उत्कृष्टता और गतिमयता का समर्थन करेगी। इससे हमारे विकसित होते हुए प्रबलता-क्षेत्रों में उन्नति हो पाएगी और यह शीर्ष शोधकर्ताओं, कंपनियों और वैश्विक भागीदारी को आकर्षित कर सकेगी।

मार्गपथ

- उद्योग और नवाचार वक्तव्य के माध्यम से ऑस्ट्रेलियाई व्यापार के लिए एक महत्वाकांक्षी उद्योग और नवाचार नीति एजेंडा का विकास किया जाए, जिससे कि नए रोजगार बनाए जा सकें और नवीन बाजारों के अवसरों का लाभ उठाया जा सके।
- राष्ट्रीय अनुसंधान निवेश योजना के माध्यम से ऑस्ट्रेलिया की वैज्ञानिक क्षमताओं में निवेश के लिए एक रूपरेखा प्रदान की जाए - जिसमें हमारे अनुसंधान बुनियादी ढांचे, ऑस्ट्रेलियाई कार्यबल और बढ़ता हुआ वैश्वीकरण शामिल हो; इससे जिन वैश्विक चुनौतियों का हम और यह क्षेत्र सामना कर रहे हैं, उनका समाधान करने की क्षमता को बनाए रखने में मदद मिल सकेगी।
- ऑस्ट्रेलिया के नवाचार तंत्र के वित्तपोषण के विकल्पों में सुधार किया जाए, जिससे कि निजी निवेश को आकर्षित करने में आसानी हो, उद्यमशीलता को प्रोत्साहन मिले, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सरकारी निवेश के आधार पर आगे निर्माण किया जा सके और हमारे विचारों का व्यापारीकरण सँभव हो सके।

- व्यापार, अनुसंधान क्षेत्र और सरकारों को बड़े पैमाने और क्षमता का निर्माण करने के लिए समर्थन दिया जाए, जिससे नवाचार को प्रोत्साहन मिल सके और इसके परिणामस्वरूप ऑस्ट्रेलिया को एशियाई क्षेत्र में उभरते हुए अवसरों का सबसे बेहतरीन लाभ उठाने में सामर्थ्य मिल पाए।
- इस समय जबकि एशिया वैश्विक विज्ञान और नवाचार के एक केंद्र के रूप में उन्नति कर रहा है, ऑस्ट्रेलियाई शोधकर्ताओं को इस क्षेत्र के साथ अपनी साझेदारी को व्यापक और मजबूत बनाने में समर्थन दिया जाए।

बुनियादी ढांचे

3. ऑस्ट्रेलिया विकास, वित्त-पोषण और राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को बनाए रखने के लिए एक व्यवस्थित राष्ट्रीय रूपरेखा को लागू करेगा, जोकि सरकारों और निजी-क्षेत्र को आगे आने वाले कम से कम 20 सालों तक बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं के लिए नियोजन और प्राथमिकता-निर्धारण में सहायता दे।
   - बुनियादी ढांचे में निवेश से ऑस्ट्रेलिया के बढ़ते हुए व्यापार और निवेश को इस क्षेत्र के साथ समर्थन मिलेगा, उत्पादकता में सुधार होगा और भविष्य में संकुलन की लागत में प्रतिवर्ष अरबों डॉलर की बचत होगी।

मार्गपथ

- इंफ्रास्ट्रक्चर ऑस्ट्रेलिया के माध्यम से राज्यों और राज्य-क्षेत्रों, निजी क्षेत्र और शैक्षणिक संस्थानों के साथ मौजूदा बुनियादी ढांचे की योजना के विस्तार पर काम किया जाए। इसके लिए एक दीर्घकालीन राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा नीति बनाई जाए जिसका ध्यान कॉरिडोर-योजना, क्षेत्राधिकार के नेटवर्कों के आर-पार और राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं पर केंद्रित हो।
- नए बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाने के लिए राज्यों और राज्य-क्षेत्रों के साथ काम किया जाए, जिसमें बुनियादी ढांचे के वित्त-पोषण में भाग लेने वाले निवेशकों (सेवानिवृत्ति-निधि सहित) के लिए बाधाओं को दूर किया जाना शामिल हो, तथा परियोजना वितरण में गति लाने के लिए वैकल्पिक तरीकों पर विचार किया जाए।
- ऑस्ट्रेलिया के शहरों की उत्पादकता, सुविधा और आवासमयता में सुधार करने के लिए परिवहन और बुनियादी ढांचा स्थायी परिषद जैसे मंचों के माध्यम से राज्यों और राज्य-क्षेत्रों को अपने दायित्व वितरित करने में समर्थन देने हेतु पारदर्शी और दूरंदेशी विश्लेषण प्रदान किया जाए।
- खुदरा ऊर्जा बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने जैसे तरीकों के माध्यम से बुनियादी सुविधाओं के प्रावधान और उपयोग के प्रशासक नियमों को बेहतर बनाया जाए, जिससे कि ऊर्जा-नेटवर्क में निवेश की कार्यक्षमता सुनिश्चित की जा सके, अनावश्यक खर्चों से बचा जा सके (जैसाकि हमारे आगामी ऊर्जा श्वेत पत्र में उल्लिखित है) और तृतीय-पक्ष के उपयोग विनियमन की समीक्षा की जा सके।

4. ऑस्ट्रेलिया के संचार के बुनियादी ढांचे और बाजार दुनिया में अग्रणी होंगे और वे एशियाई क्षेत्र में विचारों और वाणिज्य के प्रसार के शीघ्र आदान-प्रदान को सहयोग प्रदान करेंगे।

   - राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड नेटवर्क (एनबीएन) ने तबतक एशियाई बाजारों की भौगोलिक बाधाओं को हटा दिया होगा, जिससे कि सभी ऑस्ट्रेलियाई व्यवसायों और आवासों के लिए अपनी गतिविधियों का संचालन ऑनलाइन तरीके से करना सँभव हो पाएगा।
   - सभी आस्ट्रेलियावासियों को राष्ट्रव्यापी फाइबर नेटवर्क और वायरलेस उपग्रह सेवाओं के माध्यम से एक उच्च गति के ब्रॉडबैंड तक पहुँच प्राप्त होगी।
   - ऑस्ट्रेलिया में 93 प्रतिशत परिसरों में उच्च-गति का ब्रॉडबैंड फाइबर उपलब्ध होगा, जिसे 2021 तक उत्तरोत्तर तरीके से संस्थापित किया जाएगा। यह अधिकतम एक जीगाबिट प्रति सेकंड तक कि गति को समर्थन देने में सक्षम होगा।

मार्गपथ

- आँकिक वाणिज्य और उत्पादकता में वृद्धि तथा एशिया के साथ व्यापार और व्यापक आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एनबीएन की संस्थापना पूरी कर दी जाए।
- एनबीएन के उपयोग में वृद्धि सहित ऐसे अन्य माध्यमों से नए तकनीकी बाजारों में विस्तार करने के लिए विनियामक और अन्य बाधाओं की जांच व समीक्षा की जाए।

कर तंत्र

5. ऑस्ट्रेलिया की कर और हस्तांतरण प्रणाली कुशल और न्याययुक्त होगी, जोकि पूंजी आधार में निरंतर निवेश और कार्यबल में अधिक से अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करेगी और साथ ही सार्वजनिक व सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करके आर्थिक विकास का समर्थन करते हुए स्थायी आय उपलब्ध कराएगी।

मार्गपथ

- यह सुनिश्चित किया जाए कि एशियाई सदी का लाभ उठाने के लिए कर प्रणाली कारोबार को समर्थन देना और अनुकूलन करना जारी रखे। इसके लिए कंपनियों के लिए हानि 'कैरी-बैक' और छोटे व्यवसायों के लिए $6,500 से कम मूल्य की संपत्तियों की स्थिति में तत्काल कर-कटौती के जैसे सरल कर-व्यवस्था के माध्यम शामिल होने चाहिए।
- यह सुनिश्चित किया जाए कि कर, हस्तांतरण, और सेवा-निवृत्ति प्रणाली आस्ट्रेलियावासियों को, और विशेष रूप से वयो-वृद्ध लोगों को, कार्यबल में भाग लेने तथा सेवानिवृत्त होने पर एक न्यूनतम मानक की जीवन-शैली प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करे।

- कर-मुक्त सीमा को कम से कम $21,000 तक बढ़ा दिया जाए, जिससे कि और अधिक आस्ट्रेलियावासी कर-वापसी दर्ज करने से विमुक्त रहें और इसके परिणामस्वरूप श्रम-बाजार में भागीदारी बढ़ पाए।
- राज्य और राज्य-क्षेत्र के नेतृत्व में कर-सुधार को आसान बनाया जाए, उनके अक्षम करों को हटा दिया जाए और उनके कर-आधारों का बेहतर इस्तेमाल किया जाए, जिसमें उदाहरणार्थ न्यू साउथ वेल्स और साउथ ऑस्ट्रेलियन ट्रेज़रर्स द्वारा विकसित की जा रही राज्य कर योजना की तरह की प्रक्रियाओं का उपयोग किया जाए।
- नीति-प्रासंगिक अनुसंधान उपलब्ध कराने के लिए कर अध्ययन संस्थान की स्थापना की जाए, जोकि कर-सुधार के लक्ष्यों और संक्रमणकालीन मार्गपथों के बारे में बहस की सूचना दे और क्षेत्रीय-सहयोग और आदान-प्रदान के लिए अवसर प्रदान करे।
- व्यापार और सामुदायिक समूहों के साथ कर-सुधार के बारे में राष्ट्रीय बातचीत जारी रखी जाए, जिसमें कार्यकारी समूहों और राउंडटेबल्स जैसी प्रक्रियाओं को शामिल किया जाए।

विनियामक सुधार

6. ऑस्ट्रेलिया दुनिया में सबसे अधिक कुशलता से विनियमित स्थानों में से एक होगा, विश्व-स्तर पर शीर्ष पाँच स्थानों में से एक, जहाँ हरेक साल व्यापार की लागत में अरबों डॉलर की बचत हो सकेगी।

मार्गपथ

- अप्रैल 2012 में ऑस्ट्रेलियाई सरकारों की परिषद (सीओएजी) की सहमति के तहत व्यापार की लागत कम करने के लिए प्रमुख सुधार और प्रतिस्पर्धा व उत्पादकता में सुधार के लिए छह प्राथमिकता क्षेत्रों में प्रगति की जाए।
- विनियामक और प्रतिस्पर्धा सुधार को जारी रखने के लिए राज्यों और राज्य-क्षेत्रों तथा व्यापार के साथ एक राष्ट्रीय उत्पादकता करार में प्रवेश किया जाए।
- व्यापार विनियमन और प्रतियोगिता कार्यदल और राष्ट्रीय वित्तीय संबंध स्थायी परिषद द्वारा पहले से ही पहचान किए गए उच्च-महत्त्व के सुधारों में वृद्धि की जाए।
- परस्पर व्यापन (ओवरलैप) को हटाकर और ऑनलाइन व्यापार रिपोर्टिंग के उपयोग का विस्तार करके व्यापार के ऊपर पड़ने वाले रिपोर्ट करने के बोझ को कम किया जाए।
- सीओएजी (COAG) और व्यापार कार्यमंत्रणा फोरम जैसी प्रक्रियाओं के माध्यम से विनियामक अभ्यास के सभी क्षेत्रों में विनियामक प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए निरंतर सुधार किए जाएं, जिनमें जोखिम पर आधारित दृष्टिकोणों के कार्यान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाए और सुधार को क्रियान्वित व लागू करने पर और अधिक ध्यान दिया जाए।

पर्यावरणीय संधारण

7. **ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था और हमारी पर्यावरणीय संपत्ति का संधारणीय तरीके से प्रबंधन किया जाएगा जिससे ऑस्ट्रेलिया की भावी पीढ़ियों का कल्याण सुनिश्चित किया जा सके।**

   - **ऑस्ट्रेलिया के उत्सर्जन** 2000 **के स्तर से नीचे और कम से कम** 5 **फीसदी कम होंगे और हम एक स्वच्छ ऊर्जा भविष्य के रास्ते पर अच्छी तरह से अग्रसर होंगे, जिसके तहत** 2050 **तक हमारा उत्सर्जन** 2000 **के स्तर से** 80 **प्रतिशत कम होने का लक्ष्य हासिल होगा।**
   - **ऑस्ट्रेलिया स्थायी खाद्य-उत्पादन के तरीकों, ऊर्जा व पानी के टिकाऊ उपयोग और जैव-विविधता के संरक्षण को लागू करने में विश्व में अग्रणी होगा।**

मार्गपथ

- **ऑस्ट्रेलिया की उत्सर्जन तीव्रता और संपूर्ण ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय संक्रिया सहित स्वच्छ ऊर्जा भविष्य की नीतियों को पूरी तरह से क्रियान्वित किया जाए, जिसके लिए भूमि क्षेत्र में परिवर्तन, अधिक स्वच्छ ऊर्जा-स्रोतों के विकास और अंतरराष्ट्रीय कार्बन ट्रेडिंग तंत्र के साथ जोड़ने के माध्यमों का प्रयोग किया जाए।**
- **अपनी यह प्रतिबद्धता बनाए रखें कि** 2020 **तक ऑस्ट्रेलिया की बिजली का** 20 **प्रतिशत उत्पादन स्वाभाविक रूप से पुनः पैदा होने वाले ऊर्जा स्रोतों से उत्पन्न होना सुनिश्चित रहे।**
- **सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान और विकास में तथा व्यावसायीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी और ऊर्जा-दक्षता के प्रयोग में ऑस्ट्रेलिया को विश्व में अग्रणी बनाने के लिए अपना समर्थन जारी रखा जाए।**
- **'मुर्रे-डार्लिंग बेसिन' योजना को अंतिम रूप देने के माध्यम से स्वस्थ नदियाँ, सुदृढ़ समुदाय और स्थायी खाद्य उत्पादन प्राप्त किया जाए।**
- **ऑस्ट्रेलिया की जैव-विविधता संरक्षण रणनीति** (Biodiversity Conservation Strategy) 2010-2030 **के लिए** 2015 **में निर्धारित समीक्षा के एक भाग के रूप में ऑस्ट्रेलिया के ग़ैर-नवीकरणीय संसाधनों के लिए बढ़ती हुई मांग से जैव-विविधता पर पड़ने वाले प्रभावों का आकलन किया जाए।**
- **दुनिया के सबसे बड़े समुद्री पार्क नेटवर्क को लागू किया जाए और जमीन पर ऑस्ट्रेलिया की जैव-विविधता का संरक्षण जारी रखा जाए।**
- **ऑस्ट्रेलिया में चल रहे पर्यावरणीय लेखांकन के विकास और उपयोग को समर्थन दिया जाए।**

वृहदार्थिक और वित्तीय ढांचे

8. **परिवर्तन के इस समय में ऑस्ट्रेलिया की वृहदार्थिक और वित्तीय ढांचे दुनिया के सबसे बेहतरीन व्यवस्थाओं में से एक बने रहेंगे।**

   - **ऑस्ट्रेलिया के पास एक मजबूत और टिकाऊ राजकोषीय स्थिति होगी और इसके पास एक 'ट्रिपल-ए सोवरेन क्रेडिट रेटिंग' बरकरार रहेगी।**
   - **हमारी राष्ट्रीय बचत का दोहन करने के लिए ऑस्ट्रेलिया के पास एक गहन और तरल कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार होगा जिससे कि घरेलू स्रोतों से और अधिक निवेश को वित्त-पोषित किया जा सके और अपतटीय थोक-बिक्री वित्त-पोषण बाज़ारों पर हमारी निर्भरता कम हो सके।**

मार्गपथ

- **ऑस्ट्रेलिया के दीर्घकालिक आर्थिक विकास का समर्थन करने वाली वृहदार्थिक नीति समायोजना को बनाए रखा जाए, जिसमें एक अस्थायी विनिमय-दर, स्वतंत्र मुद्रा-नीति और एक मध्यम-अवधि के राजकोषीय ढांचा शामिल हो।**
- **बजट अधिशेष को प्राप्त करने के अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा किया जाए, औसत रूप से मध्यम-अवधि (जिसमें वास्तविक खर्च पर औसतन 2 प्रतिशत की वार्षिक कैप तब तक शामिल रहे जब तक अधिशेष सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के कम से कम 1 प्रतिशत रहें और जबतक अर्थव्यवस्था अपने मार्ग पर या इससे ऊपर वृद्धि कर रही हो) और मध्यम-अवधि में सरकार की निवल-सम्पत्ति में अधिक सुधार किया जाए।**
- **'बेसल III' के पूंजी और तरलता मानकों को लागू करके सेवा निवर्तन राशि को बढ़ाकर और उत्पादक निवेश के लिए यथोचित मूल्य के क्रेडिट व परिवारों के लिए और अधिक विकल्प सुनिश्चित करके ऑस्ट्रेलिया की वित्तीय प्रणाली की प्रबलता, स्थिरता और प्रतिस्पर्धात्मकता पर आगे निर्माण किया जाए।**
- **प्रबंधित धन के मजबूत विकास का पोषण करने के लिए ऑस्ट्रेलिया में एक कुशल और सुव्यवस्थित धन-प्रबंधन उद्योग की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।**
- **खुदरा निवेशकों के लिए उच्च-स्तर की सुरक्षा बनाए रखते हुए, खुदरा कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार में बाजार प्रकटीकरण दायित्वों को व्यवस्थित बनाने और लेनदेन की लागत को कम करने के माध्यम से, एक गहन और तरल घरेलू कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार के विकास को समर्थन दिया जाए।**
- **प्रतिभूति विनिमय में राष्ट्रमंडल सरकार की प्रतिभूतियों का लेन-देन करने की अनुमति देकर 'ऑस्ट्रेलियाई कॉरपोरेट बॉन्ड्स' की अधिक प्रत्यक्ष बेंचमार्क कीमत उपलब्ध कराई जाए।**

क्षमताओं का निर्माण (अध्याय 6)

स्कूलों के माध्यम से

9. **ऑस्ट्रेलिया की स्कूल-प्रणाली दुनिया की शीर्ष पाँच स्कूली-शिक्षा प्रणालियों में से एक होगी, जोकि सभी पृष्ठभूमियों के सभी छात्रों को उत्कृष्ट परिणाम और समय के साथ प्रदर्शन में व्यवस्थित ढंग से सुधार उपलब्ध कराएगी।**

   - **2025 तक, ऑस्ट्रेलिया पढ़ाई, विज्ञान और गणित की साक्षरता तथा हमारे बच्चों को एक उच्च-गुणवत्ता और उच्च-समानता की शिक्षा उपलब्ध कराकर हमारे छात्रों के प्रदर्शन के लिए दुनिया के शीर्ष पाँच देशों में से एक हो जाएगा।**
   - **2015 तक 90 प्रतिशत 20-24 वर्ष के आयु-वर्ग वाले युवा ऑस्ट्रेलियावासियों के पास 12वीं या इसके समकक्ष योग्यता होगी, जोकि 2010 के 86 प्रतिशत से अधिक होगी।**

मार्गपथ

- **राज्यों और राज्य-क्षेत्रों व गैर-सरकारी स्कूलों के अधिकारियों के साथ मिलकर स्कूल सुधार की राष्ट्रीय योजना का कानून बनाया व लागू किया जाए। योजना यह सुनिश्चित करेगी कि स्कूल का धन विद्यार्थियों की ज़रूरतों को पूरा करे और अतिरिक्त धन का उपयोग विद्यार्थियों के परिणामों में सुधार करने के लिए किया जाए, जिससे कि विद्यार्थियों को बेहतरीन शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सभी स्कूलों को आवश्यक वित्त-पोषण प्राप्त हो सके। इस योजना से शिक्षक-गुणवत्ता में सुधार आएगा, स्कूलों के प्रिंसिपलों को बल प्राप्त होगा और माता-पिता व समुदाय को और अधिक जानकारी प्राप्त होगी।**
- **स्कूल सुधार की राष्ट्रीय योजना के माध्यम से ऑस्ट्रेलियाई पाठ्यक्रम को राज्यों और राज्य-क्षेत्रों व गैर-सरकारी स्कूलों के अधिकारियों के साथ मिलकर एशियाई सदी में विद्यार्थियों की कुशलताओं के सुधार के लिए लागू किया जाए।**

10. **हरेक ऑस्ट्रेलियाई छात्र को अपने पूरे पाठ्यक्रम में एशिया-भर के बारे में अध्ययन करने हेतु महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त होंगे ताकि उनका सांस्कृतिक ज्ञान और कुशलताओं उन्हें इस क्षेत्र में सक्रिय होने में सक्षम बनाये।**

   - **सभी स्कूल एशिया में कम से कम एक स्कूल के साथ एक प्राथमिक एशियाई भाषा के शिक्षण के समर्थन हेतु राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड नेटवर्क के उपयोग में वृद्धि जैसे उपादानों के माध्यम से संलग्न होंगे।**

मार्गपथ

- **पूरी तरह से ऐसे ऑस्ट्रेलियाई पाठ्यक्रम को लागू किया जाए, जिसमें पाठ्यक्रम-पार की प्राथमिकता 'एशिया और एशिया में ऑस्ट्रेलिया का संलगन' शामिल हो सके । राज्यों और राज्य-क्षेत्रों व गैर-सरकारी स्कूलों के अधिकारियों के साथ परामर्श से ऐसे मापदंड विकसित करें जिससे पता चल सके कि ऑस्ट्रेलियाई विद्यार्थी एशिया के बारे में अपने ज्ञान को कैसे बढ़ा रहें हैं।**

- राज्यों और राज्य-क्षेत्रों व गैर-सरकारी स्कूलों के अधिकारियों तथा उच्च-शिक्षा के सँस्थानों के साथ मिलकर एशिया के अध्ययन के लिए विस्तृत रणनीतियों का विकास किया जाए, जिससे कि एशिया का अध्ययन स्कूल-शिक्षा का एक प्रमुख हिस्सा बन पाए।

11. स्कूल में शिक्षा की अपनी पूरी अवधि के दौरान सभी ऑस्ट्रेलियाई विद्यार्थियों को एक कोर्स का किसी एशियाई भाषा में सतत अध्ययन करने का अवसर मिल पाए और उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित किया जाए।

    - सभी विद्यार्थियों को कम से कम एक प्राथमिकता एशियाई भाषा के लिए पहुँच प्राप्त होगी - चीनी (मंदारिन), हिन्दी, इंडोनेशियाई और जापानी।

मार्गपथ

- राज्यों और राज्य-क्षेत्रों व गैर-सरकारी स्कूलों के अधिकारियों के बीच बातचीत के ज़रिए व्यवस्थित किए गए नए स्कूल वित्त-पोषण प्रबंधनों की एक मूल आवश्यकता के रूप में यह सुनिश्चित किया जाए कि हरेक ऑस्ट्रेलियाई विद्यार्थी को प्राथमिकता प्रदान की गई एशियाई भाषा में उच्च-गुणवत्ता के एशियाई भाषा पाठ्यक्रमों, आकलनों और रिपोर्टिंग तक सतत पहुँच प्राप्त हो।
- राज्यों और राज्य-क्षेत्रों, गैर-सरकारी स्कूलों के अधिकारियों और तृतीयक शिक्षण संस्थानों के साथ मिलकर स्कूलों में एशिया और एशियाई भाषा अधिग्रहण हेतु विस्तृत रणनीतियों के विकास के लिए एक सहयोगी प्रक्रिया मार्गदर्शित की जाए, जिसमें राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड नेटवर्क के उपयोग में वृद्धि जैसे उपादानों का प्रयोग हो।
- एक विदेशी भाषा सीखने के लाभों की समझ को बढ़ाने के लिए और भाषा के अध्ययन की मांग को बढ़ावा देने के लिए व्यापार और समुदाय के साथ मिलकर कार्य किया जाए।

विश्वविद्यालयों के माध्यम से

12. विश्वविद्यालयों में अनुसंधान और शिक्षण के लिए ऑस्ट्रेलिया दुनिया के सबसे बेहतरीन देशों में से एक बना रहेगा। ऑस्ट्रेलियाई विद्यार्थियों के परिणाम उत्कृष्ट होंगे, यह पूरी दुनिया-भर से सर्वश्रेष्ठ छात्रों और शिक्षक-शोधकर्ताओं को आकर्षित कर पाएगा और ऑस्ट्रेलिया और इस क्षेत्र के बीच संबंध मजबूत बन पाएंगे।

    - स्नातक उच्च शिक्षा में निम्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के लोगों के नामांकन 2011 में 17 प्रतिशत से बढ़कर 2020 तक 20 प्रतिशत तक हो सकते हैं।
    - 2025 तक सभी 25 से 34 साल के लोगों में से 40 प्रतिशत के पास स्नातक या इससे ऊँचे स्तर की योग्यता होगी, जोकि 2011 के 35 प्रतिशत से ऊँची रहेगी।
    - 2025 तक दुनिया के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में से 10 विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया में होंगे।
    - ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों के छात्र बड़ी संख्या में विदेशों में अध्ययन कर रहे होंगे और इनमें से एक बड़ा अनुपात अपनी डिग्री के कुछ अंश का अध्ययन एशिया में करेगा।

मार्गपथ

- पहुँच, गुणवत्ता, प्रदर्शन और लचीलेपन को बेहतर बनाना जारी रखने के लिए उच्च शिक्षा प्रणाली के सुधारों में प्रगति की जाए, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सलाहकार परिषद द्वारा सूचित हमारे अंतरराष्ट्रीय शिक्षा-क्षेत्र को मजबूत बनाना भी शामिल हो।
- क्षेत्रीय संस्थाओं के साथ घनिष्ठ संबंधों में सुधार के माध्यम से एशिया में पढ़ाई कर रहे ऑस्ट्रेलियाई छात्रों की संख्या बढ़ाने और उनके लिए वित्तीय समर्थन और जानकारी में सुधार करने के लिए विश्वविद्यालयों के साथ काम किया जाए।
- राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड नेटवर्क और डिजिटल प्रौद्योगिकी जैसे उपादानों के उपयोग में वृद्धि के माध्यम से अपनी विश्वविद्यालय शिक्षा के एक भाग के रूप में एशियाई अध्ययन और एशियाई भाषाओं की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की संख्या को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालयों को समर्थन दिया जाए।
- हरेक ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय को एशिया में अपनी उपस्थिति स्थापित करने और कम से कम एक प्रमुख एशियाई विश्वविद्यालय के साथ हस्तांतरणीय क्रेडिट व्यवस्था की स्थापना करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।
- ऑस्ट्रेलियाई अनुसंधान परिषद और अन्य तंत्रों के माध्यम से सार्वजनिक रूप से वित्त-पोषित ऑस्ट्रेलियाई अनुसंधान संगठनों के द्वारा उच्च-गुणवत्ता के शोध, और ऑस्ट्रेलियाई संस्थानों व इस क्षेत्र के सँस्थानों के बीच अनुसंधान व शिक्षण संबंधों को मजबूत बनाने के लिए समर्थन दिया जाए।

व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण प्रणाली के माध्यम से

13. ऑस्ट्रेलिया दुनिया की सबसे अच्छी व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण प्रणालियों में से एक होगा, जिससे इस क्षेत्र में क्षमता का निर्माण होगा और एक अत्यधिक कुशल ऑस्ट्रेलियाई कार्यबल को लगातार अपनी क्षमताओं का विकास कर पाने में समर्थन मिलेगा।
    - 2020 तक काम करने के आयु-वर्ग के ऑस्ट्रेलियावासियों में से तीन-चौथाई से अधिक के पास एक प्रवेश-स्तर की योग्यता (प्रमाणपत्र III या इससे उच्च स्तर) होगी, जोकि 2009 में केवल आधे से कम के अनुपात से कहीं ज्यादा बढ़कर है।
    - ऑस्ट्रेलिया के व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों के पास इस क्षेत्र के और भी अधिक देशों में काफी विस्तृत सेवाएं होंगी, जिससे इन देशों के कार्यबल की उत्पादक क्षमता का निर्माण करने और ऑस्ट्रेलियाई व्यवसायों और कार्यकर्ताओं को एशियाई बाजारों में अधिक से अधिक उपस्थिति प्राप्त कर पाने में समर्थन मिलेगा।

मार्गपथ

- नए राष्ट्रीय कुशलता सुधार भागीदारी समझौते को लागू करने के लिए राज्यों और क्षेत्रों के साथ काम किया जाए, जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि और भी अधिक आस्ट्रेलियावासी उच्च-गुणवत्ता की व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें, जोकि उद्योग और विद्यार्थी- मांग के प्रति अनुकूल हो।

- नई ऑस्ट्रेलियाई कार्यबल और उत्पादकता एजेंसी, शिक्षकों और उद्योग कुशलता परिषदों द्वारा निर्देशित बेहतर नियोजन, निवेश और वितरण के माध्यम से ऑस्ट्रेलिया कुशलता की बदलती हुई कुशलता आवश्यकताओं को संबोधित किया जाए।
- क्षेत्रीय मंचों के माध्यम से व द्विपक्षीय स्तर पर व्यापार और ऑस्ट्रेलियाई उद्योग भागीदारों के साथ देश में प्रतिभागिता का निर्माण करने और पूरक-कुशलताओं और योग्यताओं के मूल्यांकन और मान्यता को विकसित करने हेतु काम किया जाए।
- उद्योग कुशलता परिषदों, ऑस्ट्रेलियाई उद्योग और यूनियनों, और इस क्षेत्र में उनके समकक्षों के बीच के ताने-बाने को मजबूत बनाया जाए।

एशिया-सक्षम नेता, कार्यस्थल और संस्थान

14. ऑस्ट्रेलियाई व्यवसायों, संसदों, राष्ट्रीय संस्थानों (ऑस्ट्रेलियाई लोक सेवा और राष्ट्रीय सांस्कृतिक संस्थाओं सहित) के निर्णायकों और पूरे समुदाय-भर में सलाहकार मंचों के पास हमारे क्षेत्र के देशों के बारे में गहरा ज्ञान और विशेषज्ञता उपलब्ध होगी तथा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को एकीकृत करने की अधिक क्षमता होगी।
    - ऑस्ट्रेलिया की शीर्ष 200 सार्वजनिक सूचीबद्ध कंपनियों और राष्ट्रमंडल निकायों (कंपनियों, अधिकारियों, एजेंसियों और आयोगों सहित) के बोर्ड के एक-तिहाई सदस्यों को एशिया के बारे में ज्ञान और गहरा अनुभव होगा।
    - ऑस्ट्रेलियाई लोक सेवा (एपीएस 200) के एक-तिहाई वरिष्ठ नेताओं को एशिया के बारे में ज्ञान और गहरा अनुभव होगा।

मार्गपथ

- इस क्षेत्र की सीमा के अंदर से अधिक प्रत्यक्ष विशेषज्ञता वाले व्यवसायियों को बोर्डों में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।
- ऑस्ट्रेलियाई कंपनी निदेशक संस्थान को अपने कंपनी निदेशक पाठ्यक्रम में एशियाई सांस्कृतिक योग्यता प्रशिक्षण को एकीकृत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।
- चोटी के अग्रणी व्यापारों को प्रगति पर सालाना रिपोर्ट देने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इसके लिए एएसएक्स कॉर्पोरेट गवर्नेंस परिषद द्वारा व्यवसाय प्रथाओं और प्रक्रियाओं में अपने सिद्धांतों और संस्तुतियों की रिपोर्टिंग में प्रासंगिक एशियाई विशेषज्ञता और ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए सहयोग शामिल हो।
- ऑस्ट्रेलियाई ट्रेड यूनियन परिषद और व्यापक संघ आंदोलन को और अधिक क्षेत्रीय विशेषज्ञता विकसित करने और और क्षेत्र में और अधिक मजबूत भागीदारी का निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

- एकीकृत नीति विश्लेषण, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मामलों में समस्या समाधान और क्रियान्वयन करने की क्षमताओं में सुधार के द्वारा ऑस्ट्रेलियाई लोक सेवा को मजबूत बनाया जाए। प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल विभाग के सचिव और ऑस्ट्रेलियाई लोक सेवा आयुक्त के द्वारा इन क्षमताओं को विकसित करने के लिए एक रणनीति विकसित की जाएगी।
- नीति-परिणामों का अनुसरण करने के लिए एशिया में समकक्षों के साथ और अधिक नियमित और द्विपक्षीय व क्षेत्रीय संबंधों के माध्यम से मजबूत मंत्रालय-संबंधी रिश्ते बनाए जाएं।
- आपस में व्यवहार वाले कार्यक्रमों और कार्यरत वरिष्ठ अधिकारियों की जीवन-वृत्ति के मध्य भाग में नियमित रूप से आदान-प्रदान के माध्यम से मजबूत रिश्ते बनाए जाएं। इसमें विश्वविद्यालय क्षेत्र को भी शामिल किया जाए।

अनुकूलन क्षमता

15. अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक परिवर्तनों से ऑस्ट्रेलियाई समुदाय और क्षेत्र लाभ उठाएंगे और नई एशियाई सदी में उभरने वाले अवसरों का फायदा ले पाएंगे।

मार्गपथ

- टिकाऊ विकास और रोजगार सुनिश्चित करने के लिए उद्योगों और व्यवसायों के साथ रणनीति विकसित करने के लिए सहयोग से काम किया जाए।
- पूरे ऑस्ट्रेलिया-भर में समुदायों और क्षेत्रों के साथ काम किया जाए, जिससे कि उन्हें संरचनात्मक संक्रमण का प्रबंधन करने, अपनी अर्थव्यवस्थाओं में विविधता लाने और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने वाले नए अवसरों का लाभ उठाने में मदद मिल सके।
- समन्वित बुनियादी ढांचे, नियोजन और अंतरराष्ट्रीय संलगन गतिविधियों के माध्यम से एशिया के प्रवेश-द्वार के रूप में एक परिष्कृत, अच्छी जीवन-शैली वाले शहर तथा अनेकानेक माल और सेवाओं के एक क्षेत्रीय केंद्र के रूप में डार्विन के विकास में तेजी लाने के लिए व्यापार और उत्तरी राज्य-क्षेत्र सरकार साथ मिलकर काम करें। उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के सुस्थित, उच्च-विकास केंद्रों और साथ ही एशिया के साथ अपना संलगन बढ़ाने वाले पूरे ऑस्ट्रेलिया-भर के अन्य क्षेत्रों के लिए इस रणनीति का विस्तार करने के विकल्पों का अन्वेषण किया जाए।

सामाजिक नींव

16. ऑस्ट्रेलिया एक उच्च-कौशल, उच्च-आय, निष्पक्ष, बहुसांस्कृतिक व एकीकृत समाज और बढ़ती हुई जनसंख्या वाली अर्थव्यवस्था बन जाएगा, और सभी आस्ट्रेलियावासी ऑस्ट्रेलिया की बढ़ती हुई समृद्धि और एशिया के साथ इसके संलगन का लाभ उठाने तथा इसमें प्रतिभाग लेने में सक्षम हो पाएंगे।

मार्गपथ

- ऑस्ट्रेलिया की सुस्थापित, उदार लोकतांत्रिक संस्थाओं और कानूनों को बनाए रखा जाए और इनका समर्थन किया जाए।

- पेंशन और परिवार-समर्थन जैसी दुनिया की अग्रणी सामाजिक व्यवस्थाएं बनाई रखी जाएं, और राष्ट्रीय विकलांगता बीमा योजना तथा स्वास्थ्य और वृद्ध देखभाल सुधार जैसे दीर्घकालीन सामाजिक सुधारों और निवेश को आगे बढ़ाया जाए।
- नस्लवाद-विरोध और स्वदेशी आस्ट्रेलियावासियों के बीच के अंतर को समाप्त करने की नीतियों के प्रति सतत प्रतिबद्धता के माध्यम से एकीकृत और बहुसांस्कृतिक समाज को बढ़ावा देने के लिए व्यवसायों और समुदायों सहित सरकार के सभी स्तरों के साथ मिलकर काम किया जाए।
- भागीदारी और ताने-बाने की एक विस्तृत श्रृंखला को समर्थन देने के माध्यम से ऑस्ट्रेलिया की वैविध्यपूर्ण आबादी को प्रेरित किया जाए, जिसमें शामिल होंगे - प्रवासी समुदाय, विदेशों में निवास करने वाले आस्ट्रेलियाई नागरिक, वे लोग जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में पहले कभी निवास और कार्य किया है, और ऐसे अन्य लोग जिनका ऑस्ट्रेलिया तथा ऑस्ट्रेलियावासियों के साथ कोई विशेष संबंध है।
- ऑस्ट्रेलिया के कुशलता-आधृतआव्रजन कार्यक्रम सहित एक लचीले, प्रत्युत्तरशील और सुनियोजित आवृजन ढांचे को बनाए रखा जाए, जो हमारी बदलती हुई ज़रूरतों को पूरा कर पाए, ऑस्ट्रेलियावासियों के लिए अवसर बनाए रखे, और इस क्षेत्र में हमारे संलगन को समर्थन दे।

उन्नतिशील एशियाई बाज़ारों में संचालन और संलगन (अध्याय 7)

17. ऑस्ट्रेलियाई व्यवसायों को अपनी उत्कृष्टता और एशियाई बाज़ारों में सफलतापूर्वक संचालन करने की क्षमता के लिए विश्व-स्तर पर मान्यता प्राप्त होगी।
    - क्षेत्रीय और वैश्विक मूल्य-श्रृंखलाओं में जुड़ने के परिणामस्वरूप ऑस्ट्रेलियाई व्यवसाय उच्च-मूल्य के माल और सेवाएं प्रस्तुत करेंगे।
    - लघु और मध्यम आकार के उद्यमों को एशियाई बाज़ारों में एकीकृत किया जाएगा।

मार्गपथ

- यहाँ और इस क्षेत्र में सरकार और व्यापार के बीच मजबूत संवादों को विकसित किया जाए, जिसमें हमारी एशियाई सदी व्यापार संलगन योजना भी शामिल हो, जिससे कि इस क्षेत्र में हमारे अवसरों का अधिक से अधिक लाभ उठाया जा सके।
- यह सुनिश्चित किया जाए कि विदेशी मामले और व्यापार विभाग, ऑस्ट्रेड, एंटरप्राइज़ कनेक्ट, पर्यटन ऑस्ट्रेलिया, निर्यात वित्त और बीमा निगम (ईएफआईसी) और अन्य सरकारी निकाय मिलकर शिखर के उद्योग निकायों और छोटे व मध्यम आकार के उद्यमों के साथ काम करते हुए अपनी क्षमताओं का निर्माण करें तथा क्षेत्रीय मूल्य-श्रृंखलाओं में प्रतिस्पर्धा करने व सफल होने के अवसरों की पहचान और उनका संरक्षण करें।

- ईएफआईसी के जनादेश का संशोधन करके यह सुनिश्चित किया जाए कि इसके और भी अधिक संसाधन ऑस्ट्रेलिया के छोटे और मध्यम आकार के निर्यातकों को बाधित करने वाली बाज़ार की विफलताओं को संबोधित करने के प्रति समर्पित किए जाएं, खासकर विशेष-रूप से उभरते हुए और सीमावर्ती बाज़ारों में।

18. ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था एशिया के प्रति और अधिक खुली और एकीकृत होगी, माल, सेवाओं, पूंजी, विचारों और लोगों का प्रवाह ज़्यादा आसान होगा, तथा ऑस्ट्रेलियाई व्यवसायों और निवेशकों को एशिया में उपलब्ध अवसरों के लिए और अधिक अभिगम्यता प्राप्त होगी।

    - 2025 तक ऑस्ट्रेलिया के एशिया के साथ व्यापार संबंध सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के कम से कम एक तिहाई होंगे, जोकि 2011 के एक-चौथाई के अनुपात से अधिक रहेगा।
    - ऑस्ट्रेलिया उन व्यापक क्षेत्र-व्यापी समझौतों में प्रतिभागी होगा, जोकि काफी हद तक व्यापार और निवेश बाधाओं को कम कर, आर्थिक नियमों और कॉरपोरेट प्रशासन व्यवस्थाओं को बेहतर तरीके से एक-सीध में लाकर, और बुनियादी सुविधाओं के संलगन को बढ़ाकर एशियाई बाज़ारों में कारोबार करने की लागत को कम करते हैं।
    - एक-दूसरे की कानूनी संस्थाओं, व्यावसायिक प्रथाओं और कॉरपोरेट प्रशासन के मानकों की अच्छी समझ के आधार पर ऑस्ट्रेलिया और इस क्षेत्र के व्यापारों के बीच सुविकसित कार्यकारी संबंध होंगे।

ऑस्ट्रेलिया में मार्गपथ

- विश्व व्यापार संगठन और अन्य व्यापार समझौतों के भाग के रूप में अनुसूचित कटौतियों और बातचीत पर निर्धारित प्रतिबद्धताओं के माध्यम से ऑस्ट्रेलियाई सीमा शुल्कों को कम करना जारी रखा जाए।
- सीमा-पार व्यापार गतिविधि, निवेश और कुशल-श्रम गतिशीलता के लिए ऑस्ट्रेलिया के घरेलू नियमों में मौजूद अनावश्यक बाधाओं को कम करने के लिए काम किया जाए, लेकिन इसमें इस क्षेत्र में स्थित अन्य देशों में स्थापित व्यवस्थाओं को भी मान्यता दी जाए।
- ऑस्ट्रेलिया के सीमा-प्रबंधन ढांचे में सुधार लाने, खुफिया तरीके से जोखिम पर आधारित खतरे के प्रभावी प्रबंधन का दृष्टिकोण अपनाने, और साथ ही वैध व्यापार और पर्यटन की बाधाओं को कम करने के लिए इस क्षेत्र में व्यापार और प्रतिभागी सरकारों के साथ काम किया जाए।
- लंबी अवधि के और एक से अधिक प्रवेश वाले वीज़ाओं व ऑनलाइन वीज़ाओं के अधिक से अधिक उपयोग के माध्यम से कम जोखिम वाले आगंतुकों का ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश करना आसान बनाया जाए। उभरती हुए बाज़ारों, विशेष रूप से चीन से, अधिक पर्यटकों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार स्वतंत्र चीनी पर्यटकों के लिए सरल एवं कारगर वीज़ा प्रक्रियाओं के परीक्षण पर आगे काम करेगी और इस पूरे क्षेत्र-भर में ऑस्ट्रेलिया को एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए प्रचार करना जारी रखेगी।

- ऑस्ट्रेलिया में विदेशी निवेश का स्वागत जारी रखा जाए और प्रमुख निवेशक-विशेषों और निवेशक-राष्ट्रों को आकर्षित करके ऑस्ट्रेलिया को एक निवेश गंतव्य के रूप में बढ़ावा दिया जाए।
- ऑस्ट्रेलिया की विदेशी निवेश छानबीन प्रक्रिया की पारदर्शिता को बढ़ावा देना जारी रखा जाए।

विदेशों में मार्गपथ

- विश्व व्यापार संगठन, ग्रुप ऑफ ट्वेन्टी (जी20), एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग मंच (एपेक), दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) और इसके मुक्त-व्यापार समझौते के भागीदारों जैसे मौजूदा बहुपक्षीय और क्षेत्रीय मंचों और अन्य द्विपक्षीय संबंधों के माध्यम से लगातार काम करते हुए व्यापार व निवेश की बाधाओं को कम किया जाए।
- क्षेत्रीय समझौतों में प्रतिस्पर्धी उदारीकरण को प्रोत्साहन देकर, प्रशांत-पार भागीदारी समझौते के लिए वार्ता में हमारी सतत भागीदारी और क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी के लिए वार्ता में प्रतिभाग लेने के माध्यम से एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए एक मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में कार्य किया जाए।
- व्यापार समझौतों में व्यापार अनुपालन की लागत को कम करने और व्यापार को अधिक सुविधाजनक बनाने के मूल के नियमों को बढ़ावा दिया जाए।
- लैटिन अमेरिका और एशिया के बीच एक संकर्षण के रूप में ऑस्ट्रेलिया को स्थित करने के हमारे प्रयासों के एक भाग के रूप में चिली, कोलंबिया, मेक्सिको और पेरू के प्रशांत गठबंधन में शामिल होने के लाभों का आकलन किया जाए।
- एशियाई बाजारों में ऑस्ट्रेलियाई निवेश के उपयोग को बढ़ाने के लिए काम किया जाए।
- एशिया में स्थिर, कार्यकुशल और खुले वित्तीय बाजारों को बढ़ावा देने के लिए बाजार-आधारित सुधारों को आगे प्रोत्साहन देना जारी रखा जाए; उदाहरण के लिए, ऑस्ट्रेलियाई डॉलर और मुख्यभूमि चीन में चीनी रैन्मिन्बी के बीच एक प्रत्यक्ष व्यापार की स्थापना की दिशा में आगे काम किया जाए।
- इस क्षेत्र के अंदर बाजार के अवसर खोलने को समर्थन देने के लिए वित्तीय बाजार के नियमों की संपूरकता के प्रति प्रयासों को समर्थन दिया जाए; उदाहरण के लिए, एशिया क्षेत्र फंड पासपोर्ट पहल सहित एपेक के वित्तीय बाजार एकीकरण के प्रयासों के माध्यम से।
- एक एकीकृत और लचीली क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था का निर्माण करने और ऑस्ट्रेलिया के लिए बाजार के अवसरों को खोलने के लिए इस क्षेत्र में भागीदारों के साथ 'सीमा से पीछे' की पहलों के प्रति काम किया जाए, विशेष रूप से हमारे विशेषज्ञता- क्षेत्रों में, जैसेकि बुनियादी ढांचे, कृषि और खाद्य, शिक्षा, स्वास्थ्य और वृद्ध देखभाल, वित्त और सेवाओं का विनियमन।

ऑस्ट्रेलिया का कृषि और खाद्य-क्षेत्र (प्रकरण अध्ययन)

19. उत्पादक और टिकाऊ कृषि और खाद्य कारोबार के परिणामस्वरूप ऑस्ट्रेलिया की कृषि और खाद्य उत्पादन प्रणाली विश्व-स्तर पर प्रतिस्पर्धी हो जाएगा।

    - ऑस्ट्रेलियाई खाद्य उत्पादकों और संसाधको को एशिया के लिए और अधिक और उच्च-गुणवत्ता वाले खाद्य और कृषि उत्पादों, सेवाओं और प्रौद्योगिकी के अभिनव और विश्वसनीय निर्माताओं के रूप में विश्व-स्तर पर मान्यता प्राप्त होगी।

मार्गपथ

- एक एकीकृत खाद्य-प्रणाली को बढ़ावा देने हेतु राष्ट्रीय खाद्य योजना को लागू किया जाए, जिसमें आपूर्ति श्रृंखला के बढ़ने के साथ-साथ लागू की जाने वाली नीतियाँ खाद्य व्यवसायों और उपभोक्ताओं को लाभान्वित कर सकें और यह सुनिश्चित कर सकें कि ऑस्ट्रेलिया अपने लोगों और दुनिया के लिए पौष्टिक और सस्ते भोजन का एक स्थायी और उत्पादक आपूर्तिकर्ता है।
- सहयोग, विज्ञान और नवाचार के क्षेत्रों में प्रगति के माध्यम से उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण अनुसंधान और विकास निगम मॉडल को बनाए रखा जाए।
- खाद्य और कृषि निर्यातकों को सेवाएं उपलब्ध कराकर एशिया के बाजारों में ऑस्ट्रेलिया की भागीदारी बढ़ाई जाए और खाद्य व खाद्य-प्रसंस्करण, संबंधित परिवहन के बुनियादी ढांचे, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और जल-संरक्षण में द्विपक्षीय निवेश को समर्थन देकर ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्रीय और दूर-दराज क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा दिया जाए, जिसमें विशेष रूप से उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और तस्मानिया शामिल हैं।
- व्यापार वार्ता, मौजूदा अंतर-सरकारी समझौतों, सरकारों के बीच के संबंधों और हमारे विदेशी नेटवर्क का उपयोग करके कृषि और खाद्य-उत्पादों के लिए अधिक मुक्त व्यापार व क्षेत्र में खाद्य-सुरक्षा को समर्थन दिया जाए और ऑस्ट्रेलियाई उत्पादकों के लिए बाजार में पहुंच के लिए सुधारों को बढ़ावा दिया जाए।
- ऑस्ट्रेलिया के अद्वितीय वातावरण, हमारे लोगों और हमारी कृषि और खाद्य-उद्योगों के स्वास्थ्य की रक्षा करते हुए लोगों, आयात और निर्यात के माल के कुशल परिवहन को उपलब्ध कराने वाले विश्व-स्तरीय जैव-सुरक्षा सुधारों को लागू किया जाए।
- ऑस्ट्रेलियाई खाद्य-उत्पादकों और प्रसंस्करणकर्ताओं द्वारा उत्पादकता वृद्धि का समर्थन करने के लिए और हमारे प्राकृतिक संसाधनों की स्थिरता बनाए रखने के लिए पानी और ऊर्जा सहित हमारे अन्य प्राकृतिक संसाधनों का कुशल उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

इस क्षेत्र में स्थायी सुरक्षा का निर्माण (अध्याय 8)

20. ऑस्ट्रेलियाई नीतियां एशिया के एक ऐसे क्षेत्र के रूप में विकास के लिए योगदान देंगी जहाँ स्थायी सुरक्षा सहयोग की आदतों आदर्शरूप हैं।

मार्गपथ

- आर्थिक और सामरिक परिदृश्य में बदलाव के प्रत्युत्तर में इस क्षेत्र की प्रमुख शक्तियों - चीन, जापान, इंडोनेशिया, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका - के बीच सहकारी व्यवस्था को बढ़ावा दिया जाए।
- प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों में एशियाई देशों के उचित प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देना जारी रखा जाए, जो उनके आर्थिक वृद्धि के वजन को दर्शाए, और इन देशों को नियम-आधृत संस्थानों का एक हिस्सा बनने और उन्हें आकार देने में मदद करने के लिए प्रोत्साहन दिया जाए।
- क्षेत्र के सामरिक, राजनीतिक और आर्थिक विकास में चीन की भागीदारी को समर्थन दिया जाए।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया जाए कि वह इस क्षेत्र में क्षेत्रीय स्थिरता, सुरक्षा और शांति के लिए योगदान देने हेतु एक मजबूत और लगातार उपस्थिति जारी रखे।
- इस श्वेत पत्र द्वारा सूचित एक राष्ट्रीय सुरक्षा विवरण और एक रक्षा श्वेत पत्र प्रस्तुत किए जाने के माध्यम से सुरक्षा के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण बनाए रखा जाए।
- संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर आधारित वैश्विक, क्षेत्रीय और द्विपक्षीय सुरक्षा फ्रेमवर्क और मानदंडों के लिए ऑस्ट्रेलिया के मजबूत समर्थन को बनाए रखा जाए।
- 2014 में ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में जी-20 के माध्यम से वैश्विक आर्थिक स्थिरता और सहकारी प्रमुख-शक्ति संबंधों के लिए काम किया जाए, जिसमें आर्थिक विकास और रोजगार, वैश्विक अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और आर्थिक परिवर्तन के दौर में वैश्विक नियमों और संस्थाओं को प्रभावी और प्रासंगिक बनाने पर एक स्पष्ट ध्यान दिया जाए।
- 2014 में हमारी जी-20 की मेजबानी और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की हमारी सदस्यता के माध्यम जैसे उपादानों सहित संयुक्त राष्ट्र और जी-20 जैसे वैश्विक मंचों के प्रयोग से क्षेत्रीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए और फिर वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों से निपटने के लिए इन संबंधों का उपयोग करने के लिए व इन संस्थानों को मजबूत बनाने के लिए काम किया जाए।
- पूर्व एशिया में पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन को एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय संस्था के रूप में विकसित करने के लिए काम किया जाए, जिससे कि यह क्षेत्रीय चुनौतियों का प्रबंधन करने में मदद कर सके, सामरिक वार्ता को बढ़ावा दे सके और राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा मुद्दों पर सहयोग को बढ़ावा दे सके।

- आतंकवाद, लोगों की तस्करी, अंतरराष्ट्रीय अपराध, परमाणु अप्रसार और निरस्त्रीकरण, मानवाधिकार, और आपदा शमन और प्रबंधन जैसे कई तरह के मुद्दों के लिए व्यावहारिक सहयोग को आगे बढ़ाया जाए व क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ स्थानीय क्षमता का निर्माण किया जाए।

21. ऊर्जा, भोजन और पानी जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए लचीले बाजारों के विकास के साथ इस क्षेत्र में अधिक स्थायित्व होगा और मानव सुरक्षा मजबूत बनेगी।

मार्गपथ

- बढ़ते हुए अंतरराष्ट्रीय कार्बन बाजार, ऊर्जा, भोजन और पानी के लिए इस क्षेत्र के अंदर काम करने को समर्थन दिया जाए, जिसमें इन बाजारों के बीच की कड़ियों की पहचान करने वाले नियमों में सुधार शामिल हैं।
- राष्ट्रीय सांख्यिकीय एजेंसियों के बीच सहयोग के माध्यम से इस क्षेत्र में चल रहे विकास और पर्यावरणीय लेखांकन के उपयोग को समर्थन दिया जाए।
- क्षेत्र के भीतर कार्य करते हुए अनुसंधान और विकास के माध्यम से खाद्य-आपूर्ति प्रणाली की क्षमता का निर्माण किया जाए, जिससे एक प्रतिस्पर्धी उद्योग और मजबूत व्यापार और निवेश भागीदारी को सुनिश्चित किया जा सके।
- चीन, इंडोनेशिया, जापान और दक्षिण कोरिया सहित अन्य साथी देशों के साथ अनुभव और विशेषज्ञता को साझा करते हुए एक सुकार्यशील और व्यापक अंतरराष्ट्रीय कार्बन बाजार के का निर्माण किया जाए।
- ऊर्जा बाजारों पर वैश्विक और क्षेत्रीय मंचों में रचनात्मक बहस और सहकारी समाधानों को बढ़ावा दिया जाए, और ऊर्जा क्षमता में सुधार करने व अनुसंधान और विकास में सहयोग बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय भागीदारों और नई प्रौद्योगिकी के क्रियान्वयन और व्यावसायीकरण को समर्थन दिया जाए।
- गरीबी कम करने और स्थिरता में सुधार के लक्ष्य हेतु सहयोगी संबंधों के माध्यम से विश्वसनीय और उच्च-गुणवत्ता के विकास के लिए एक प्रतिभागी बने रहना जारी रखा जाए।

गहन और व्यापक संबंध (अध्याय 9)

22. ऑस्ट्रेलियाई हितों को बढ़ावा देने और ऑस्ट्रेलिया के प्रभाव को बनाए रखने के लिए ऑस्ट्रेलिया के पास आवश्यक क्षमताएं होंगी।
    - पूरे एशिया-भर में ऑस्ट्रेलिया के राजनयिक नेटवर्क का एक अधिक बड़ा पदचिन्ह होगा।

मार्गपथ

- इस क्षेत्र में ऑस्ट्रेलियाई हितों को बढ़ावा देने के लिए सरकार, व्यापार, संस्थानों और समुदाय के सभी स्तरों के साथ और उनके माध्यम से काम किया जाए।
- जब अच्छी परिस्थियां हों, तो उलानबाटार (मंगोलिया) में एक पूर्ण दूतावास और शेनयांग (चीन), फुकेत (थाईलैंड) और पूर्वी इंडोनेशिया में वाणिज्य दूतावास खोले जाएं।

- आसियान (ASEAN) सचिवालय, आसियान के सदस्यों और आसियान से संबंधित मंचों के साथ संलगन के लिए जकार्ता में आधारित एक आसियान राजदूत की नियुक्ति को समर्थन दिया जाए।
- यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी सरकारी विभाग और एजेंसियां अपनी घरेलू नीति विश्लेषण और कार्यान्वयन में अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को शामिल करें और अपने क्षेत्रीय समकक्षों के साथ कार्यशील संबंधों को प्राथमिकता दें।
- राज्य और राज्य-क्षेत्र और स्थानीय सरकारों व इस क्षेत्र में उनके समकक्षों के बीच मजबूत संबंधों को विस्तृत बनाने तथा उप-राष्ट्रीय संबंधों को बढ़ावा देने, और साथ ही समरूप-शहर (sister city) और समरूप-राज्य (sister state) संबंधों के मूल्य को समर्थन देने के लिए काम किया जाए।

23. इस क्षेत्र-भर के देशों के साथ, विशेष रूप से प्रमुख क्षेत्रीय देश - चीन, भारत, इंडोनेशिया, जापान और दक्षिण कोरिया के साथ, ऑस्ट्रेलिया के अधिक मजबूत व व्यापक संबंध होंगे।

मार्गपथ

- हमारी व्यापक द्विपक्षीय संरचना को बढ़ाया जाए, जिसमें चीन और भारत तत्काल प्राथमिकताएं हों।
- द्विपक्षीय संरचना का विकास किया जाए, जिसमें शामिल हैं: नेताओं, वरिष्ठ मंत्रियों और वरिष्ठ व्यापार जगत के नेताओं के बीच नियमित उच्च स्तरीय बैठकें; युवा नेताओं के बीच वार्ता; और संसदों, शैक्षिक और सांस्कृतिक संस्थाओं, व्यापार और सार्वजनिक सेवाओं जैसे संस्थानों के बीच लोगों और विचारों का पर्याप्त प्रवाह।
- ऑस्ट्रेलियाई समुदाय के साथ काम करने के लिए व्यापक देश रणनीतियाँ विकसित की जाएं, जिनमें प्रारंभिक प्राथमिकताओं के रूप में चीन, भारत, इंडोनेशिया, जापान और दक्षिण कोरिया हैं। ये रणनीतियां पूरे समुदाय-भर में प्रत्येक देश के साथ संबंधों के लिए प्राथमिकताओं और उद्देश्यों की स्थापना करेंगी। इन्हें संसद में पेश किया जाए और नियमित रूप से इनका मूल्यांकन और नवीनीकरण किया जाए।
- ऑस्ट्रेलियाई और क्षेत्रीय आर्थिक एजेंसियों के बीच अधिक गहन व व्यापक द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय आर्थिक मंचों में ऑस्ट्रेलिया की और अधिक भागीदारी तथा ऑस्ट्रेलियाई और क्षेत्रीय व्यापार व ऑस्ट्रेलिया-आधारित विचारबल तथा विश्वविद्यालय नेटवर्क के बीच मजबूत कड़ियों (ट्रैक 2 कूटनीति) के माध्यम से ऑस्ट्रेलिया की आर्थिक और व्यापार कूटनीति को मजबूत बनाया जाए।
- यह सुनिश्चित किया जाए कि ऑस्ट्रेलिया नेटवर्क और रेडियो ऑस्ट्रेलिया के संसाधनों और अनुभव के संयोजन से हाल ही में नवनिर्मित ऑस्ट्रेलिया नेटवर्क सेवा, एक बड़े ऑनलाइन घटक के साथ, इस क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया के बारे में ज्ञान का निर्माण करने के लिए एक प्रभावी सार्वजनिक कूटनीति उपकरण उपलब्ध कराए।
- ऑस्ट्रेलिया पूरे समुदाय-भर में एशियाई देशों के साथ लोगों के बीच गहरे और व्यापक संबंधों की कड़ी बन पाए।

24. **ऑस्ट्रेलिया के पूरे समुदाय-भर में एशियाई देशों के साथ गहरे और व्यापक लोगों के बीच आपसी संबंध होंगे।**

मार्गपथ

- **इस क्षेत्र के लोगों के बीच आपसी संबंधों को प्रोत्साहित करने के लिए एशिया के देशों में पांच साल के समय में 12,000 ऑस्ट्रेलिया पुरस्कारों (एशियाई सदी) के लिए संकल्प लिया जाए।**
- **समय के साथ एशिया के देशों में कार्य और अवकाश कार्यक्रम समझौतों का और अधिक विस्तार किया जाए। इसे आरंभ करने के लिए इंडोनेशिया के साथ हमारे मौजूदा कार्य और अवकाश वीज़ा कार्यक्रम में 1,000 स्थानों की वृद्धि की जाए।**
- **एशिया में पुरस्कार-प्राप्तकर्ताओं के लिए ऑस्ट्रेलिया पुरस्कार (एशियाई सदी) में ऑस्ट्रेलिया में काम दिलवाने तथा जीविका के मध्य में अध्ययन/विश्राम के अवकाश को शामिल करने की पेशकश की जाए।**
- **एक ऑस्ट्रेलिया पुरस्कार कार्यालय के माध्यम से एशिया में स्थित ऑस्ट्रेलियाई-शिक्षित नेताओं के व्यापक भूतपूर्व छात्र (एल्युमिनी) नेटवर्क के समन्वयन के लिए एक केन्द्र-बिन्दु प्रदान करके इस नेटवर्क को मजबूत बनाया जाए।**
- **उच्च-गुणवत्ता की निजी-क्षेत्र छात्रवृत्तियों को समर्थन दिया जाए, जो भविष्य के एशियाई नेताओं को ऑस्ट्रेलिया में लाने का समर्थन करे।**
- **ऑस्ट्रेलिया में स्थित शोधकर्ताओं, सामुदायिक समूहों, छात्रों, स्कूलों और विश्वविद्यालयों तथा इस पूरे क्षेत्र में उनके समकक्षों के बीच ऑनलाइन सहयोग को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड नेटवर्क और डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाए।**
- **ऑस्ट्रेलियाई और क्षेत्रीय धार्मिक समुदायों और सामुदायिक संगठनों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों को पोषित किया जाए।**
- **ऑस्ट्रेलिया में खेल, शैक्षिक, व्यावसायिक और वैज्ञानिक समुदाय के बीच सहयोग और भागीदारी की व्यवस्था के माध्यम से इस क्षेत्र का पूरी तरह से एक हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहन दिया जाए।**

25. **एशियाई देशों के साथ ऑस्ट्रेलिया के और अधिक मजबूत, गहन और व्यापक सांस्कृतिक संबंध होंगे।**

मार्गपथ

- **दुनिया में सबसे पुरानी जीवंत संस्कृति और अत्यधिक विविधता का स्वागत करने वाले एक स्थान के रूप में ऑस्ट्रेलिया के अद्वितीय सांस्कृतिक लाभ की पहचान की जाए और इसे विशिष्ट रूप से दर्शाया जाए।**
- **ऑस्ट्रेलिया में मौजूद सांस्कृतिक और कला समुदायों को दो-तरफा सहयोग और साझेदारी व्यवस्थाओं के माध्यम से इस क्षेत्र का पूरी तरह से एक हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहन दिया जाए, जिसमें प्रशिक्षण और क्षमता-निर्माण भी शामिल हों।**

- एशिया में कलाकारों को सफलता प्राप्त करने और ऑस्ट्रेलिया की छवि को सांस्कृतिक रूप से जीवंत और खुले देश के रूप में बढ़ावा देने के लिए सरकार की गतिविधियों की पुनर्जांच की जाए, जिसमें ऑस्ट्रेलिया परिषद की समीक्षा पर सरकार द्वारा विचार किया जाना
  शामिल हो।
- ऑस्ट्रेलिया की छवि को सांस्कृतिक रूप से जीवंत और खुले देश के रूप में बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक और कलात्मक संगठनों के बेहतर समन्वयन को हमारा समर्थन देने हेतु ऑस्ट्रेलियाई अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक परिषद का पुनर्गठन किया जाए।
- मीडिया उद्योग के प्रतिनिधि निकायों के माध्यम से मीडिया द्वारा अपनी सामग्री और इस क्षेत्र की घटना आदि की रिपोर्ट में सुधार किया जाए, जिससे कि यह सुनिश्चित हो सके कि ऑस्ट्रेलियावासियों को इस क्षेत्र-भर की प्रमुख घटनाओं और मुद्दों के बारे में और अधिक दैनिक समाचार प्राप्त हो सके। इसके अलावा ज्ञान का निर्माण करने के लिए इस क्षेत्र के साथ मीडिया के आदान-प्रदान कार्यक्रम को प्रोत्साहन दिया जाए।
- ऑस्ट्रेलियाई प्रसारण निगम और विशेष प्रसारण सेवा से इस बात की जांच करने का अनुरोध किया जाए कि वे अपनी सामग्री और प्रोग्रामिंग के सभी पहलुओं में इस क्षेत्र की और अधिक व्यापक घटना आदि की रिपोर्ट को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं, जिसमें समाचार और जानकारी के कवरेज पर विशेष ध्यान दिया जाए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि उनकी सामग्री इस क्षेत्र के साथ हमारे संबंधों की गहराई और विविधता को दर्शाती है। इसमें एसबीएस(SBS) की एशियाई-ऑस्ट्रेलियाई समुदायों के लिए उनकी अपनी भाषाओं में समाचार-प्रदाता के रूप में विकसित हो रही भूमिका शामिल है।
- हमारे सांस्कृतिक, राजनीतिक, सुरक्षा और आर्थिक संबंधों में भरोंसे, समझ और आत्म-विश्वास का निर्माण करने के लिए सांस्कृतिक कूटनीति और आदान-प्रदान को मजबूत बनाया जाए।